sugar. Therefore, this has no particular effect on the import of our sugar.

श्री विभूति मिश्र: अभी मंत्री जो ने बतलाया कि इन देशों में रा शगर की जरूरत है। जब शुगर की जरूरत है तो क्या सरकार ऐसी योजना बना रही है कि हमारे कारखानों में रा शुगर बने?

Shri S. K. Patil: Yes; we have, because we shall export some raw sugar next year and some of the mills will be taking to raw sugar, because if the export of sugar is to be a permanent factor, surely a part of it has to be in raw sugar.

Shri K. N. Pande: Is it a fact that crystal sugar is being bartered with some of the countries and if so, what are the countries and what are the articles being exchanged?

Shri S. K. Patil: I have not got all the particulars here. We are having it with Canada and I think with Japan also. I have not got the list of the articles being bartered with Canada with me here, but it comprises several articles.

Seed Testing Laboratories

+

7734. **Shri N. R. Laskar:**
Shri Ram Harkh Yadav:
Shri P. C. Borooah:
Shri Rameshwar Tantia:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government intend to provide each State in the country with a seed testing laboratory;

(b) if so, the details of the scheme and the approximate time by which the aforesaid laboratories would be set up;

(c) what would be the role of the respective States in the establishment and maintenance of the aforesaid laboratories;

(d) whether some equipment has been procured from U.S.A. for this purpose;

(e) if so, how much; and

(f) arrangements made to procure the rest of the equipment?

The Minister of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh): (a) Yes.

(b) Uptil now four seed testing laboratories have been set up, one each in Andhra Pradesh, Bihar and Punjab and one at the Indian Agricultural Research Institute, New Delhi. It is proposed to set up four more laboratories under this programme during 1962. Subject to equipment for these laboratories being available, it is hoped that by 1964 one Laboratory will be provided in each of the major States.

(c) Each State has to provide the necessary building, staff and the recurring expenditure for the laboratories.

(d) and (e). Yes. Equipment for four laboratories has already been received and order for four more has been placed by the United States Agency for International Development.

(f) Arrangements are being made through the United States Agency for International Development, to procure equipment for the remaining laboratories.

Shri N. R. Laskar: May I know the cost involved for each laboratory?

Dr. Ram Subhag Singh: Actually, they were set up only recently. I will supply the information later on.

SHORT NOTICE QUESTION

पूर्वी उत्तर प्रदेश में बाढ़ के कारण फसलों को स्थिति

S.N.Q. ८. श्री बाल कृष्ण सिंह: क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री ने पूर्वी

उत्तर प्रदेश का दौरा किया था और भारी बाढ़ के कारण फसलों की गंभीर स्थिति का अध्ययन किया था ;

(ख) क्या इन समस्याओं को सुलझाने के लिये कोई योजना बनाई जा रही है; और

(ग) यदि हां, तो इसका ब्योरा क्या है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) कृषि मंत्री ने २६ और २७ जुलाई, १९६२ को दिलदार नगर जिला गाजीपुर, वाराणसी और जौनपुर का दौरा किया ।

सिंचाई मंत्री ने २७ अगस्त, १९६२ को पहले ही उत्तर प्रदेश की बाढ़-स्थिति के सम्बन्ध में एक विवरण सभा की पटल पर रख दिया है ।

(ख) और (ग) इस स्थिति पर काबू पाने के लिये राज्य सरकार द्वारा योजनाएं बनाई गई हैं । फिर भी केन्द्रीय सरकार एक निश्चित कार्यक्रम के अनुसार राज्य सरकार को आर्थिक सहायता देती है ।

श्री बालकृष्ण सिंह : क्या कृषि मंत्रालय ने ऐसे धान के बारे में अनुसंधान कराया है जो बाढ़ प्रूफ हो यानी जो बाढ़ के पानी को बरदाश्त कर सके ?

डा० राम सुभग सिंह : इसके बारे में हम छान बीन करा रहे हैं और शीघ्र ही ऐसे पौधे को पूर्वी उत्तर प्रदेश के धान पैदा करने वाले क्षेत्रों में शुरू कराने की योजना है ।

Shrimati Savitri Nigam: Just now the hon. Minister stated that grants will be given to the State Governments which are formulating schemes to help these areas according to a set pattern. I would like to know, when such calamities arise, whether the Central Government will not be ready to give them some additional help?

Dr. Ram Subhag Singh: Yes. Help will be give. But the Government of Uttar Pradesh is having about Rs. 50 lakhs at present. They have spent about Rs. 51 lakhs. When they will approach, they will be getting the grants.

श्री रघुनाथ सिंह : पूर्वी यू० पी० से सनई का चार करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट होता था जो कि दो करोड़ का रह गया है । क्या इसकी उन्नति और विकास के वास्ते सरकार कोई कदम उठा रही है ?

डा० राम सुभग सिंह : यह तो उस इलाके की प्रमुख फसल है । उसके विकास के लिये अभी रेटिंग का काम नहीं हुआ है । उसकी व्यवस्था पर हम लोग जोर दे रहे हैं और बीज को भी अच्छा बनाने की कोशिश कर रहे हैं ।

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, अभी माननीय कृषि मंत्री महोदय ने कहा है कि वह पूर्वी उत्तर प्रदेश के दौरे पर गए थ । मैं जानना चाहता हूं कि वहां से आने के पश्चात् उन्होंने क्या योजना आयोग को कोई सिफारिश की है कि जिससे उस इलाके के विकास के लिये कदम उठाया जा सके ?

डा० राम सुभग सिंह : पूर्वी उत्तर प्रदेश में १५ जिले शामिल हैं । उन में से इलाहाबाद में तो हम कपास की खेती के लिए पैकेज प्रोग्राम जारी करेंगे और जैसा कि आपने सुना सनई की खेती बढ़ाने के लिए बनारस जौनपुर वगैर में रेटिंग की सुविधा बढ़ाने की बात है । और शूगरकेन पैदा करने वाला जो पूर्वी यू० पी० का इलाका है उस में सड़कें आदि बनाने पर कोई १½ करोड़ रुपया खर्च किया जायगा । उस इलाके के विकास की कुल योजना करीब २४½ करोड़ रु० की है और यह रुपया ३, ४ साल में खर्च किया जायगा ।

श्री राम सेवक यादव : मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जब वह पूर्वी उत्तर प्रदेश के दौरे पर गए थे तो राज्य

सरकार के मंत्रियों से मिल कर इस बात पर कोई विचार किया था कि बाढ़ को कैसे रोका जाए?

डा० राम सुभग सिंह : जिस वक्त मैं गया था उस वक्त बाढ़ नहीं थी। मैं २७, २८ जुलाई को गया था। इसलिये बाढ़ पर विचार नहीं हुआ, केवल जनरल विकास पर ही विचार हुआ।

श्री ज० ब० सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जब वह पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों का दौरा करने गए तो उनके लिये किस किस विकास पर उन्होंने गौर किया। वह कहते हैं कि बाढ़ पर हमने गौर नहीं किया जब कि वहां का बाढ़ एक परमानेंट फीचर है, और आज भी माननीय मंत्री जी जान रहे हैं कि वे जिले डूब रहे हैं और जब तब बाढ़ की रोकथाम नहीं की जाएगी वहां का विकास कैसे हो सकता है यह मैं जानना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय : आप जानना तो कुछ नहीं चाहते, आप तो तकरीर कर रहे हैं।

श्री ज० बी० सिंह : मंत्री जी का बयान कंट्राडिक्टरी है। विकास कैसे हो सकता है। जब तक कि बाढ़ की रोकथाम नहीं हो।

मैं जानना चाहता हूं कि आजमगढ़ या बलिया और गाजीपुर जिलों के बारे में विकास के लिये उन्होंने कौन सा ठोस कदम उठाया है?

अध्यक्ष महोदय : एक एक जिले के लिये सेंट्रल गवर्नमेंट कदम नहीं उठाती, यह काम तो स्टेट गवर्नमेंट करेगी।

Shri Tridib Kumar Chaudhuri: In this connection, may I know what happened to the recommendations of the Asoka Mehta Committee with regard to the depressed areas of eastern U.P.? Are the new steps that the Chief Minister has stated and the Government adopted in line with the recommendations of the Asoka Mehta Committee?

Dr. Ram Subhag Singh: Actually, all the steps that I propose to take are not in line with the recommendations. But, in my action, I am going to be generally guided by the recommendations made by the Asoka Mehta Committee. As regards floods, it comes under the Ministry of Irrigation and Power. Steps are being taken in that direction also.

श्री काशीनाथ पांडे : क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि गोरखपुर और देवरिया म जो बाढ़ आयो थी और जिससे लाखों एकड़ की फसल बरबाद हो गई इसका जिम्मा उस बांध पर हैं जो नेपाल में अभी तक नहीं बनाया गया, यह सेंट्रल गवर्नमेंट का काम है या स्टेट गवर्नमेंट का?

डा० राम सुभग सिंह : इस मामले पर इर्रीगेशन मंत्रालय विचार कर रहा है।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Road Transport

*733. **Shri R. Barua:** Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to state:

(a) the estimated requirements of commercial vehicles during the Third Five Year Plan period;

(b) whether there has been any shortfall in country's requirements

(c) if so, what steps are being taken to make up the deficiency; and

(d) what is the employment potential of road transport in India?

The Minister of Shipping in the Ministry of Transport and Communications (Shri Raj Bahadur): (a) According to the Third Five Year Plan, the target for production of commercial vehicles in the last year of the Plan, i.e., 1965-66, which is based on estimated requirements, is 45,000 trucks and 15,000 buses.

(b) There has been no shortfall so far. The position may, however, have